जिस हाल में जिस

जिस हाल में जिस देश मे जिस वेस में रहो ॥
हरी ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐहरि कहो ॥
जिस हाल में.....

जिस योग में जिस भोग में जिस रोग में रहो ॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

जिस ग्राम में जिस नाम में जिस धाम में रहो ॥
हरी ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

जिस रंग में जिस ढंग में जिस संग में रहो ॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

परिवार में व्यवहार में संसार मे रहो ॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

आराम में सम्मान में अपमान में रो ॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

जिस ज्ञान में जिस द्ययान में जिस मान में रहो ॥
हरी ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो ॥
जिस हाल में.....

इस लोक में उस लोक में जिस पर लोक में रहो ॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो॥
जिस हाल में.....

जिस सेवा में जिस मेवा में जिस त्याग में रहो॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरी ॐ हरी कहो॥
जिस हाल में.....

जिस आह में जिस वाह में जिस भाव में रहो॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो॥
जिस हाल में.....

जिस राह में जिस जात में जिस बात में रहो॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो॥

जिस हाल में.....

जिस मेला में जिस रेला में जिस ठेला में रहो॥
हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि हरि ॐ हरि कहो॥
जिस हाल में.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3931/title/jis-hal-me-jis-desh-me-jis-vesh-me-raaho-hari-om-hari-om-hari-om-kaho

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |